Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 44–2025] CHANDIGARH, WEDNESDAY, OCTOBER 29, 2025 (KARTIKA 7, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 27 अक्तूबर, 2025

संख्या 12/250–2024/पुरा/4279–86.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन और ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
अहरवां	अहरवां	अहरवां	पलवल	खेवट संख्या 641 खाता संख्या 717	284–05	ग्राम पंचायत	अहरवां पलवल तहसील पलवल में स्थित एक विशाल पुरातात्विक स्थल है। यह पलवल से 10 किमी दूर होडल को नूह से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण प्राचीन मार्ग पर पड़ता है। प्राचीन स्थल का क्षेत्रफल लगभग 500 वर्ग मीटर है और वर्तमान गांव की आबादी यहां निवास करती है। यह स्थल मानव गतिविधि के बहुस्तरीय अनुक्रम का प्रतिनिधित्व करता है जो कि पीजीडब्ल्यू से लेकर प्रारंभिक मध्ययुगीन काल तक है। यह स्थल प्राचीन काल में चित्रित–ग्रे–वेयर, काले–स्लिप्ड–वेयर और काले और लाल बर्तन संस्कृति का उपयोग करता है और उत्तरी

							काले पॉलिश वाले बर्तन संस्कृति, शुंग कुषाण, गुप्त, मध्ययुगीन काल के बाद के चरणों के माध्यम से आधुनिक समय तक जारी रहा। यह क्षेत्र का एक विशिष्ट स्थल है, जो सांस्कृतिक उत्तराधिकार का उदाहरण है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 27th October, 2025

No. 12/250-2024/pura/ 4279-86.— Whereas, the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological site and remains and ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monument	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Aharwan	Aharwan	Aharwan	Palwal	Khewat No. 641 Khata No. 717	284-05	Gram Panchayat	Aharwan is an extensive archaeological site situated at Palwal Tehsil of Palwal. It is situated 10km away from Palwal, lying on the import ancient route linking Hodal with Nuh. The area of the ancient site is approximately 500 sq. mtrs. and is occupied by the present village population. The site represents a multi-layered sequence of human activity, from PGW to the early medieval period. The site dates back in antiquity to painted-grey-ware, black-slipped-ware and black and red ware using culture and continued through the succeeding phases of northern black polished ware culture, Sunga Kushana, Gupta, medieval periods, up to modern times. This is a typical site of the area, exemplifying the cultural succession. There is a possibility of pre-PGW occupation in the area as well as this site but could not be confirmed in limited exploratory work.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

12188—C.S.—H.G.P., Pkl.